११ आगा पहुंचेकेर लेल निर्भयसे हमर जैने होये। काहेका तो
हरन्हिके देखैलेल आउर तोहरन्हि कायम होअह् एक
रैलेल कछुया परमार्थकेर सामर्थ तोहरन्हिके देवैलेल अर्थात
तोहरन्हिके आउर हमरा बिश्वाससे तोहरन्हिका साथ
१२ तसल्ला होअैकेर हमरा बडा इच्छा हय। हे भाइन्हि हम
चाही नहि का तोहरन्हि अजान रहह् का जैसन आउर
देशिन्हका बीचमे हमरा लाभ हय तैसहि तोहरन्हिका
बीचनैभी का हम कछु लाभ पाई एकरैलेल तोहरन्हिका
१३ नजीक जाईलेल हम बार२ स्थिर केलही परन्तु अखनी लगि
१४ अटकाव भेल। हम ग्रीक आउर मेलच्छ यिहूदूनुकेर आउर
१५ पंडित आउर मुर्खन्हिकेर करजदारही। एकरलेलहम
अपना मखदूरलग हमी तोहरन्हिका आगाभी मंगल समा
१६ चार खबर करैलेल तैयार हो। हम ख्रीष्टका मंगल समाचा
रका विषयमे लजाल ही नहि काहेका यिहूदी ग्रीक वगैरह्
जतना बिश्वास करनिहर उन्हकन्हिका आगा उअह् उ
१७ द्धारकेर लल ईश्वरी करामत। काहेका ओकरामे ईश्वर
केर ये धर्म्म बिश्वाससे होहय उअह् धर्म्म बिश्वासकेर लेल
प्रत्यक्ष हय काहेका जैसन् लिखल हय धर्म्मी बिश्वाससे
१८ बचता। काहेका ये अदमी अधर्म्मका बंधनसे सचोटाइके
बांध रखथि उन्हकन्हिकेर सभे बेटहल आउर गरउचित
कामकेर मुद्दयिपनमे ईश्वरकेर गोसा सर्गसे प्रत्यक्ष हय।
१९ काहेका ईश्वरके येर जानल जाय उअह् उन्हकन्हिका बीचमे
प्रतक्ष हथि काहेका ईश्वर उन्हकन्हिके देखैलकैखन्ह।
२० काहेका ओकर येर बेदेखल अर्थात् ओकर अपार पराक्र
म आउर ईश्वरपन केल चिजन्हिसे संसारकेर जन्मलाका
बेरिसे अच्छा तरहसे जानल जाहय ओकरैलेल उन्हकन्हि
२१ का उजुर करैकेर राहि नहि हैखन्। काहेका उन्हक
न्हि ईश्वरके जानकरिकेभी ईश्वरकेर जैसन् ओकर मर्य्याद

आउर नियम तोंघनिहार आउर प्रारिरिक प्रेम छोडि आ
३१ उर निर्दय आउर मायारहित होकरिके गरउचित करैलेल
३२ ईश्वर उन्हकन्हिके मुर्खपनामे छोड देलकेखन्। येर
अदमी यिह् तरह्केर काम करहथि उन्हकन्हि मारैला
यकहथि उन्हकन्हि ईश्वरकेर यिह् तजवीज जानिकरिके
खाली अपनहो यिह् काम ये करहथि से नहि किन्तु यिह्
तरह्केर काम करन्हिहारनिपरे खोस्र होहथि।

२ दोसरा पर्ब्ब।—एकरैलेल हे तजबीज करनिहार अद्
मी येकेउ हह् तोहरा उजर करैकेर राहि नहि हय का
हेका तोह तजवोजमे दोसराके दोषी करिके उअह् विषय
मे अपनउके दोषी करहह् काहेका हे तजवीज करनिहा
२ र तोह अपने उहे काम करहह। किन्तु हमरन्हि जानहो
का उअह डोलकेर काम करनिहारन्हिकेर बिरोध ईश्वरकेर
३ बिचार सचोटाइका माफिक् हय। हे अद्मी तोह यिह्तरह्
केर कामकरनिहारन्हिकेर तजवीज करिके जैयो अपने
उहे काम करथि तैयो तोह् का ठहरावहह का ईश्वरका
४ विचारसे तोह बचबह्। ईश्वरकेर होमा का तोहरा तो
याह् करैकेरलेल राहि देखावहथि तोह् यिह नहि जानि
करिके ओकर दयातरह् संपत आउर छमातरह् आउर
५ ढेर दिनलगि बरदास्त का तुछकरिके जानहह्। किन्तु ई
श्वरकेर गजब आउर हक तजवीज प्रत्यछ करैलेल दिनलगि
अपन कठोर आउर तोबाह नहि करनिहार मनकेर वै
६ सन् अपना लेल गजबके जमा करहथि। का ये प्रतिअद्मो
७ के उन्हकन्हिका कामकेर फल देतेखन्। ये सहनिहार होक
रिके सदा अछा काम केलासे मोछ आउर मर्यादा आउर
अमरपना खोजहथि उन्हकन्हिके अपार आव्वेल देतेखन्।
८ परन्तु ये झगराउ आउर सचोटाइ नहि मानैतथि परन्तु

२१ थिह् सभन्हिमे निश्चय केले छथि। एकरैलेल हे दोस
राकेर सिखौनिहार तोह् का अपनाकें सिखलाव नहि
तोह ये उपदेश करछह् का अद्मोका चोरिकरनै उचित
२२ नहि का चोरि करछह्। छिनरपन् मना करनिहार
तोह् का छिनरपन् करछह् हे देवताकेर घिनौनिहार तोह
२३ का ईश्वरके देल चीज सहजतरह् व्यहार करछथि। हे
शास्त्र जन्वामे अहंकारी तोह् का शास्त्र लांघलासे ईश्वरकेर
२४ अपमान् करछह्। काहेका जैसन् लिखल छय तैसन् आउर
देशिन्हका बीचमे ईश्वरकेर नाव तोहरन्हिका करैते निंदा
२५ कैलखन्ह। काहेका तोह नैयो तौरेत पालछह् तैयो तोह
रा सुनतसे लाभ छय सही परन्तु तौरेत लांघनिहार भेला
२६ से तोहर सुनत बेसुनत होइय। एकरासे बेसुनतवाला
जैयो तौरेतकेर धर्म्म पालथि तैयो ओकर गरसुनतका
२७ सुनततरह् मानल जायेत् नहि। तोह् अक्षर आउर सुन
तके अभिमान् करिके तौरेतके लांघछह् एकरै लेल सुभावसे
जन्मल ये गरसुनत उअह् जब शास्त्रकेर धर्म्म पालण कर
थि तैया बिचारसे उअह् का तोहर् कलंक निश्चय नहि कर
२८ ता। काहेका प्रत्यक्ष ये यिऊदी उअह् यिऊदी नहि आउर
२९ मासकेर ये सुनत से सुनत नहि। किन्तु भीतरमे ये यिऊदी
ओहे यिऊदी आउर सुनत मनकेर अक्षरकेर नहि किन्तु
आत्माकेर का येकर खेशनामी अद्मोसे नहि होथे किन्तु
ईश्वरसे होइय।

३ तेसरा पर्ब्ब।—तैयो यिऊदीका का लाभ आउर सु
२ नतकेर का लाभ। सभे तरहसे ढेर पहिलहि यिह् ईश्व
रकेर सुफल बात उन्हकन्हिका आगा देल गेलेखन्। का
३ हेका उन्हकन्हिका बीचमे जैयो केउर प्रतित नहि कैलखन्
तैयो ईश्वरमे ये विश्वास उन्हकन्हिकेर अविश्वास का उअह्

१६ उन्हकन्हिका चलला‍मे बिनाश आउर अमंगल रहइय।
१७ आउर कुशलकेर राहि उन्हकन्हि जानथि नहि। ईश्वरका
१८ विषयमे उन्हकन्हिका आंखिका कछुयो डर नहि हय। हम
रन्हि जानही का तौरेत ये कहइथि उअह् तौरेतकेर अ
१९ धिन अद्मिन्हके कहइथि का प्रति मुंह बंद होय आउर
२० सगरो संसार ईश्वरका नजीक दोषो होअथि। एकरैलेल
तौरेतका कामसे ओकरा आंखिका आगा कोनो प्राणी साध
२१ केल जैता नहि काहेका तौरेतसे पाप जानल जाहय। किन्तु
अब ईश्वरकेर ये साधपना तौरे छोडि हय उअह् धर्म्मतौ
रेतसे आउर नबिन्हका बातन्हिसे साबूत देल जायेत प्रत्यक्ष
२२ हय। अर्थात् ईश्वरकेर ये धर्म्म यिशु खीष्टपरे बिश्वाससे
सभे बिश्वासकरनिहारन्हिका आगा आउर सगरो बिश्वास
करनिहारन्हिपरे हय काहेका कछुयो जुदाई रहे नहि।
२३ काहेका सभन्हि पाप कैलखन्ह आउर ईश्वरकेर महिमा
२४ प्रकाशसे कसूरकैखन्ह। ओकरा अनुग्रहसे खीष्ट यिशु
२५ मे ये मुक्ति ओकरासे हमरन्हि मुक्ति साधकैलही। का
ईश्वरका क्षमासे पहिलेकेर कैल पाप छोडैलाका राहिसे
ओकर साधपना जनावैकेर लेल येकराके ईश्वर ओकरा
लोहूसे संतुष्ट करनिहार बलिदान मोकरर् कैलखन्
२६ ह। अर्थात ओकर साधपना यिह् समयमे जनावैकेर लेल
का उअह् साधु होअथि आउर ये अद्मी यिशुपरे बिश्वास
२७ करहथि ओकराके साध करनिहारभो होअथि। तैयो
अहंकार करनै कहां उअह् छेकल हथि कोनो फतुआसे
२८ कामकेर से नहि परन्तु बिश्वासकेर फतुआसे। एकरैलेल
हमरन्हि निश्चय जानही का अद्मी तौरेतके काम छोडि
२९ बिश्वासका भरोसासे साधु कैल जाहथि उअह् का खाली
यिहूदिन्हकेर ईश्वर हथि उअह् का आउर देशिन्हकेर
ईश्वर नहि हथि उअह् अवश्य आउर देशिन्हकेर ईश्वरभो

होकरिके ओकर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वास तरह्
साधपनका मोहरतरहूसे सूनतकेर चिन्ह पौलखन्ह का
येतना अद्मो बिश्वास करहथि ओऊ जैयो बेसूनतकेर
होअथि तैयो उअह् उन्हकन्हिकेर पित होअथि का धर्म्म
१२ उन्हकन्हिपरेभी हिसाब कैल जाय। आउर ये खाली सून
तभो नहि हय किन्तु बेसूनत रहैका बेरिमे हमरन्हिकेर
पित अब्राहामकेर ये बिश्वास हलैखन् उअह् बिश्वासकेर
गोडचिन्ह पकरके जाथि उन्हकन्हिकेर लेलभो का सूनतन्हि
१३ केर पित होअथि। काहेका उअह् करार का अब्राहाम
संसारकेर अधिकारी होता उअह् ओकराके आउर ओक
रा बंशन्हिके तौरेतका कामका राहिसे देल गेला नहि किन्तु
१४ बिश्वासतरह् साधपनका राहिसे। काहेका तौरेतकेर काम
करनिहारन्हि जैयो अधिकारि होअथि तैयो बिश्वास वर्थ
१५ हय आउर करार वर्थ कैल जाहय। तौरेत गजब जन्माव
हयि काहेका ये जगह् तौरेत नहि उअह् जगह्मे तौरेत
१६ लंघनाभो नहि हय। हकरासे उअह् बिश्वाससे होहथि
का फल अनुग्रहसे होवे का उअह् करार सगरो बंशका
उपरे कायम होवे ये बंश तौरेतका अनुसार हय खाली
उन्हकन्हिपरे नहि किन्तु अब्राहामका बिश्वासका तरह
ये बंश भेल हय ओकरा उपरऊ कायम होये का ये ईश्वर
१७ का आगा हमरन्हिकेर पित हथि। का ये मरल अद्मि
न्हके जीवाय हथि आउर येर चीज नहि हय उन्हकन्हि
होनिहार चिजन्हकेर येसन् कहहथि ओकरा आगा जै
सन् यिह् बात लिखल गेलहय का तोहराके ढेर देशन्हकेर
१८ बंश हम कैलूंह्। जैसन् यिह् कहलखन्ह का तोहर बंश
वैसन होतो ये भरोसाकेर मुहयियन्मे भरोसा करिके
बिश्वास कैलखन् का उअह् उअह् ढेर देशकेर अद्मि
१९ न्हका पित होअथि। ये बिश्वासका विषयमे दूबर नहि

वेरिमे उचित समयमे ईश्वरकेर टहल नहि करनिहारन्हि
७ केर लेल खीष्टमरला। साधु अद्मीकेर लेल प्राय करिकेभी
केउ नहि मरता तैयो मंगल करनिहार अद्मीकेर लेल केउ
८ मरैके कदाचित साहस करसकहथि । किन्तु ये समयमे ह
मरन्हि पापी हलूं उअह् वेरिमे खीष्ट हमरन्हिकेर लेल म
रला एकरासे ईश्वर हमरन्हिका दिशि अपना प्रेमकेर बडा
९ ई कैलखन्। एकरैलेल अब हमरन्हि ओकरा लोऊसे साध
कैल होकरिके ओकरा मार्फत गजबसे बलिक उद्धार पैता।
१० काहेका हमरन्हि दुश्मन होयकरिके ईश्वरका बेटाका मृत्युसे
ईश्वरका साथे उअह् वेरिमे मिलल हला ओकरऊसे मि
लल हला ओकरा जीअतसे हमरन्हि बलिक रक्षा पायेब।
११ आउर खाली उअह्भी नहि किन्तु हमरन्हिकेर प्रभु यिशु
खीष्टका वसीलासेभी हमरन्हि ईश्वरमे साहसिक होही
का येकरासे हमरन्हि अब प्रायश्चित्तकेर फल पावलही ।
१२ एकरासे जैसन् एक अद्मीका मार्फत संसारमे पाप हेलल
आउर पापसे मृत्यु हेलल आउर ओकरासे सभे पापकर
१३ निहार भेलापरे मृत्यु सभन्हिपरे आयेल। काहेका तौरेत
प्रत्यक्ष लगि पाप संसारमे हल परन्तु जहां तौरेत नहि
१४ ऊंआ पाप हिसाब कैल जाय नहि। किन्तु जिन्हकन्हि आदम्
के पाप तरह्से पाप नहि कैलखन्हल का ये ओकर उपमा
का येकर आवने होनिहार हय उन्हकन्हियोपरभी आ
१५ दमसे मोशह्लगि मृत्यु राज कैलखन्। किन्तु येतरह्
दोष तेहीतरह् मुक्ति दान् नहि काहेका जैयो एक अद्मी
का दोषसे ढेर मरला हल तैयो ईश्वरका अनुग्रह्से आ
उर अनुग्रह्से ये दान् एक अदमीका मार्फत अर्थात् हम
रन्हिकेर प्रभु यिशु खीष्टका मार्फत हथि बलिक ओकरा
१६ से अधिक ढेरन्हिपरे अधिक हथि। आउर एक अद्
मीकेर पापसे जैसन् हला दान वैसन् नहि काहेका एक